## एक नजर में

### विधायक ने विद्युत उपकेंद्र का किया भूमि पूजन

**बैतूल।** ग्राम बेहडी में ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने 20 मार्च को 33/11 केव्ही 5 एमव्हीए विद्युत उपकेंद्र का भूमि पूजन किया। इस उपकेंद्र की लागत 2.50 करोड़ रुपये है और इसकी क्षमता 5 एमव्हीए है। इस उपकेंद्र से 03 नम्बर पम्प कृषि फीडर और 01 नम्बर घरेलू फीडर के माध्यम से लगभग 14 गांवों को विद्युत आपूर्ति की जाएगी, जिनमें बेहडी, बारंगवाडी, मंगारा, कोठिया, चिखलार, नरेरा, मुवारिया, गजाढाना, रेंगाढाना, सरेकाडोल, भुमकाढाना, भुड़काल ढाना, मोहन ढाना और जमदेही कला शामिल हैं। इस अवसर पर आमला विधायक डॉ पंडाग्रे ने कहा कि इस उपकेंद्र से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और ग्रामीणों को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिलेगी। कार्यक्रम में नरेंद्र गड़ेकर, सतीश हारोडे, यशवंत यादव, महेश मर्सकोले, अशोक नागले, जनपद सदस्य श्रीमती सीमा रतन धुर्वे, रवि सूर्यवंशी, माखन उईके, मनोज विश्वकर्मा, भररु यादव और विद्युत विभाग के एई श्री डोंगरे, जेई श्री चंदेलकर, डीई श्री बुसारे सहित ग्रामीण उपस्थित थे। इसके अलावा आमला विधायक डॉ. पंडाग्रे ने ग्राम जमदेही कला में जनजातीय बस्ती विकास योजना से स्वीकृत सीसी रोड का भूमि पूजन किया और ग्राम हसलपुर में मुख्यमंत्री विशेष निधि से स्वीकृत सामुदायिक भवन का भी भूमि पूजन किया।

### एक दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

**भैंसदेही।** मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद भैंसदेही के तत्वाधान में प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण आयोजित किया गया। श्रीसाई शिक्षा युवा मण्डल समिति भैंसदेही द्वारा सेक्टर क्र 2 में प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी महिलाओ की सहभागिता तथा पुरषो की सहभागिता रही। एक दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण में सरपंच ग्राम पंचायत झल्लार के मनीष नरवरे द्वारा मां भारती का पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। प्रशिक्षण में नवांकुर संस्था के अक्ष्यक्ष मनीष नावंगे द्वारा पंच परिवर्तन एवं कुटूम्ब प्रबोधन विषय पर प्रशिक्षणार्थी को सम्बोधित किया गया। साथ ही ब्लॉक समन्वयक विकास कुमरे द्वारा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की विभिन्न योजना तथा जन अभियान परिषद संस्था का परिचय समिति के दस्तावेज, तथा समाज कार्यों पर मार्गदर्शन दिया गया। परामर्शदाता सरावन मन्नासे द्वारा प्रस्फुटन समिति योजना को विस्तृत रूप से बताया गया। समिति के पंजीयन की जानकारी दी गई एवं सरपंच ग्राम पंचायत झल्लार के मनीष नरवरे द्वारा समाज में किए जाने वाले समाज कार्यों के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। पयोष्नी संस्था से कमलेश कावड़कर इस प्रशिक्षण में प्रस्फुटन समिति बोथिया के अध्यक्ष श्री राने, प्रस्फुटन समिति मालेगांव के अध्यक्ष रितेश ठाकरे, प्रस्फुटन समिति मच्छी के अध्यक्ष दिनु पोटे, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बासनेर कलां सचिव दशरथ गायकवाड़, प्रस्फुटन समिति केरपानी के सचिव अशोक तथा दीपक गायकवाड़ गणेश बारस्कर, ईमला कुमरे, सोनम सोनी, ग्राम पंचायत सचिव जगदीश कोगे, चन्द्रकान्त महाले ग्राम पंच सभी की प्रशिक्षण में उपस्थिति रही। परामर्शदाता शिवचरण बावने द्वारा आभार प्रदर्शन पश्चात अल्पाहार कर प्रमाण पत्र वितरण कर प्रशिक्षण सम्पन्न किया गया।

# खुले बाजार मंडी में गेहूं के दाम कम मिलने से अधिक हुए पंजीयन

**नवभारत न्यूज**

**बैतूल, 20 मार्च. इस बार जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए 18969 किसानों ने पंजीयन कराया है। पिछले साल यह संख्या 12891 थी यानि इस बार 6078 अधिक किसानों ने पंजीयन करवाया है।**

**पिछले साल की अपेक्षा इस बार 6078 पंजीयन ज्यादा**

**जिले में गेहूं खरीदी के लिए बनेंगे 64 खरीदी केन्द्र**

यह आंकड़ा गत वर्ष की तुलना में जरूर अधिक है, लेकिन विगत पांच वर्षो के आंकड़े देखे जाये तो पंजीयन की संख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। बताया गया कि 2021-22 में 44651 किसानों ने पंजीयन करवाया था। यह आंकड़ा 2026-27 में 18969 पर आ गया था। इस बार शुरुआत में किसानों के पंजीयन कम हुए, लेकिन जैसे-जैसे पंजीयन की अंतिम तिथि करीब आई, बड़ी संख्या में किसानों ने समर्थन मूल्य को समर्थन किया। पिछले पीछे एक कारण यह भी है कि खुले बाजार (अनाज मंडी) में गेहूं के दाम समर्थन मूल्य से कम है। जिससे किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए ज्यादा रूचि दिखाई। बता दे कि समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए 7 फरवरी को पंजीयन शुरू हुए थे। पंजीयन की आखरी तारीख 7 मार्च थी, लेकिन सरकार ने पंजीयन की तिथि तीन दिन बढ़ाकर 10 मार्च कर दी थी। इस दौरान बड़ी संख्या में किसानों ने पंजीयन कराया। यहीं वजह है कि इस बार गेहूं बेचने के लिए 18,969 किसानों के पंजीयन जिले में हुए है।

**गेहूं खरीदी के लिए बनाए जायेगे 64 खरीदी केन्द्र :** जिला आपूर्ति अधिकारी केके टेकाम ने बताया कि शासन से जिले में 64 खरीदी केंद्र बनाए जाने की अनुमति मिली है। बीते साल जिले में 25719 मेट्रिक टन गेहूं की खरीदी हुई थी। इसे देखते हुए इस साल जिले को 26 हजार मेट्रिक टन खरीदी का लक्ष्य मिला है। हालांकि इस साल अधिक गेहूं की आवक होने की संभावना है। इसलिए जिला स्तर से 60 हजार मेट्रिक टन का लक्ष्य तय किया गया है। संभावना जताई जा रही है कि गेहूं की खरीदी 16 मार्च के बाद शुरू हो सकती है। हालांकि अभी तक खरीदी शुरू करने की तारीख संबंधी कोई आदेश शासन से नहीं आया है। इसके चलते खाद्य विभाग और प्रशासन अभी खरीदी की सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद करने में जुटे हैं।

**पंजीयन में बरती गई सख्ती :** ज्वार, सोयाबीन और धान के पंजीयन में गड़बड़ी सामने आने के बाद गेहूं, चना और सरसो के पंजीयन में शासन द्वारा सख्ती बरती गई। खासकर सिकमी और बटाईदार वाले किसानों के दस्तावेजों की सघनता से जांच कर पंजीयन किया गया, ताकि वास्तविक किसानों के ही पंजीयन हो सके।

> 18969 किसानों ने गेहूं बेचने के लिए पंजीयन कराये है। गेहूं की खरीदी को लेकर अभी कोई आदेश नहीं आये है। हालांकि जिले में 64 खरीदी केन्द्र बनाने के लिए अनुमति मिली है। जिसके अनुसार व्यवस्था बनाने का काम किया जा रहा है।
> **- केके टेकाम, जिला आपूर्ति अधिकारी, बैतूल**

### खुले बाजार में गेहूं के दाम फिलहाल कम

खुले बाजार (मंडी) में फिलहाल गेहूं के दाम कम है। कृषि उपज मंडी बडोरा से मिली जानकारी के अनुसार गेहूं के न्यूनतम भाव 2000 और उच्चतम भाव 2491 रूपये तक है, जबकि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,585 प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। जिस पर राज्य सरकार 40 का बोनस दे रही है। इस प्रकार, किसानों को कुल 2,625 प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का भुगतान किया जाएगा। जिससे किसानों को समर्थन मूल्य में गेहूं बेचने पर करीब 100 रूपये से लेकर 400 रूपये प्रति क्विंटल का लाभ मिलेगा। इसी वजह से इस बार किसानों ने समर्थन मूल्य को समर्थन करते हुए बड़ी संख्या में पंजीयन कराया है।

### 2 लाख 66 हजार हेक्टेयर जिले में गेहूं का रकबा

इस साल जिले में करीब 2 लाख 66 हजार हेक्टेयर में किसानों ने गेहूं की फसल की बुआई की है, लेकिन रकबे के अनुपात में पंजीयन नहीं हुए है। पिछले साल यह रकबा करीब 2 लाख 60 हजार हेक्टेयर था। इस बार गेहूं के रकबे में लगभग 6 हजार हेक्टेयर की बढ़ोत्तरी की गई है। हालांकि इस साल विगत वर्ष की तुलना में अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है, जिससे गेहूं खरीदी के लक्ष्य में भी बढ़ोत्तरी की है। जिला आपूर्ति अधिकारी केके टेकाम ने बताया कि बीते वर्ष जिले में 25719 मेट्रिक टन गेंहू की खरीदी हुई थी। इसे देखते हुए इस साल जिले को 26 हजार मेट्रिक टन खरीदी का लक्ष्य मिला है। हालांकि इस लक्ष्य से अधिक गेहूं की खरीदी की संभावना है।

# ओलावृष्टि से तबाह फसलों पर तुरंत मुआवजा दे सरकार : डागा

**नवभारत न्यूज**

**बैतूल, 20 मार्च. कांग्रेस जिला अध्यक्ष निलय डागा ने मुलताई सहित जिले में ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से तबाह हुई फसलों को लेकर सरकार से तुरंत मुआवजा देने की मांग की है।**

**प्रभावित गांवों का तत्काल सर्वे कर राशि देने की मांग**

**राहत राशि नहीं दी तो आंदोलन की चेतावनी**

उन्होंने कहा कि तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि से कई गांवों में खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ है, राहत देने में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से बिना समय गंवाए प्रभावित गांवों का सर्वे शुरू करने और सर्वे पूरा होने के बाद 10 दिन के भीतर किसानों को राहत राशि देने की मांग की है। निलय डागा ने कहा कि अचानक बदले मौसम और ठंडी हवाओं के साथ हुई ओलावृष्टि से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। जिले में कई जगह फसल पूरी तरह खराब हो गई है, जबकि कई खेतों में फसल गिरकर बर्बाद हो चुकी है। गुरुवार रात बैतूल के आसपास के क्षेत्रों में भी हुई बारिश ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा ने किसानों को आर्थिक रूप से बड़ा झटका दिया है। सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि हर साल आपदा के समय किसानों को आश्वासन दिया जाता है, लेकिन जमीन पर राहत नहीं मिलती। उन्होंने मांग की कि जिन गांवों में फसल को नुकसान हुआ है, वहां तुरंत सर्वे टीम भेजी जाए और राहत प्रक्रिया में देरी न हो।

निलय डागा ने विशेष राहत पैकेज के तहत प्रभावित किसानों को आपदा राहत देने और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लंबित क्लेम का 15 दिन के भीतर निपटारा करने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की 50 प्रतिशत से अधिक फसल खराब हुई है, उन्हें अतिरिक्त विशेष राहत पैकेज स्वीकृत किया जाए। उन्होंने प्रशासन से बर्बाद फसल का जल्द सर्वे कर राहत राशि का भुगतान तुरंत शुरू करने को कहा और चेतावनी दी कि यदि समय पर राहत नहीं मिली तो कांग्रेस किसानों के साथ आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि महंगाई और बढ़ती लागत से पहले ही परेशान किसान अब इस बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से और संकट में आ गए हैं।

# डॉ. प्रवीण गुगनानी को एनलाल जैन सम्मान

**बैतूल। विगत संध्या को भोपाल साहित्य जगत के चमकते हुए संस्थान दुष्यंत पांडूलिपि संग्रहालय में एनलाल जैन स्मृति सम्मान का कार्यक्रम संपन्न हुआ।**

वर्ष 2026 का एनलाल जैन सम्मान साहित्य जगत के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर बैतूल के डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी को दिया गया। स्मरणीय है कि प्रवीण गुगनानी मप्र साहित्य से राष्ट्रीय सम्मान अटलबिहारी सम्मान प्राप्त साहित्यकार हैं। प्रवीण जी की बारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं व दो पुस्तकों का संपादन उन्होंने किया है। स्तंभलेखन के क्षेत्र में भी इनका ब ?ा नाम है व देश भर के समाचार पत्रों में इनके आलेख निरंतर प्रकाशित होते हैं। इस संदर्भ मे बोलते हुए कार्यक्रम के मुख्य निर्वाचन आयुक्त, मप्र, मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि प्रवीण जी के लिए यह सम्मान समारोह आयोजित किया जाना सामयिक व सार्थक ही है। श्रीवास्तव जी ने प्रवीण गुगनानी की शीघ्र आ रही पुस्तक 'बेसुआ' पर भी व्यापक चर्चा की, उन्होंने कहा कि गिरमिटिया मजदूरों पर आ रहा यह उपन्यास अंग्रेज़ों के अत्याचारों को नए चश्मे से दिखाता है। कार्यक्रम मे उपस्थित मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह क्षेत्र कार्यवाह हेमंत मुक्तिबोध ने कहा कि कुछ समय पूर्व संगठन ने मप्र सिंधी साहित्य अकादमी के अध्यक्ष पद लिए प्रवीण गुगनानी का नाम प्रस्तावित किया था किन्तु बाद मे पता चला कि वे सिंधी नहीं अपितु क्षत्रिय पंजाबी हैं।

# सीएमएचओ ने किया स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक किया

**बैतूल।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाड़े ने 20 मार्च को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोड़ाडोंगरी का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई अधिकारी एवं कर्मचारी ड्यूटी से नदारद पाए गए, जिन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किए गए है। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र धाकड़ 20 मार्च को अनुपस्थित मिले, जबकि डॉ. रवि अधिकारी 17, 18 एवं 20 मार्च को ड्यूटी से गैरहाजिर पाए गए। इसके अलावा संविदा विकासखंड कम्युनिटी मोबिलाइजर श्रीमती अर्चना खातरकर भी 20 मार्च को अनुपस्थित रहीं। वहीं फार्मासिस्ट धनराज डोंगरे हाजिरी पंजी में हस्ताक्षर करने के बावजूद ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। इन सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को कार्यालय द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। जवाब संतोषप्रद नहीं पाए जाने कि स्थिति में उनके विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने ग्राम दानवाखेड़ा में खुजली एवं अन्य बीमारियों से प्रभावित मरीजों के उपचार की स्थिति की जानकारी भी ली। उन्होंने भर्ती मरीजों के उपचार एवं देखभाल को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

# मुलताई पहुंचा जैन मुनि संघ, किया स्वागत

**मुलताई।** क्षेत्र मे विहार करते हुए शुक्रवार को जैन मुनियों का संघ मुलताई पहुंचा,जहां नगरवासियो ने संतो का स्वागत कर आशीर्वाद लिया।शुक्रवार को मुनिश्री 108 निर्वेगसागरजी महाराज, मुनिश्री 108 विचारसागरजी महाराज, मुनिश्री 108 जाग्रतसागरजी महाराज, मुनिश्री 108 चिद्रूपसागरजी महाराज, मुनिश्री 108 सुभगसागर महाराज, मुनिश्री 108 सविनयसागर महाराज एवं मुनिश्री 108 समन्वयसागर महाराज का नगर में मंगल आगमन हुआ। इस दौरान मुनि संघ के स्वागत में जैन समाज द्वारा जैन मंदिर परिसर में विशेष पूजन, आराधना और धार्मिक आयोजन किए गए। जिनमें बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुओ ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुनि संघ के सान्निध्य में प्रवचन देते हुए धर्म, संयम और आत्मकल्याण का संदेश दिया गया।प्रवचन के उपरांत मुनि संघ द्वारा आहार ग्रहण किया गया। जैन परंपरा के अनुसार चयनित घरों में विधिपूर्वक आहार लिया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मुनियों की सेवा की। जैन समाज के सदस्य निखिल जैन, राहुल जैन, संदीप जैन ने बताया कि मुनि संघ मुक्तागिरी से विहार करते हुए मुलताई पहुंचे हैं।

# नए पदाधिकारियों ने ली जिम्मेदारी संगठन मजबूत करने का संकल्प

**बैतूल।** गुड़ी पाड़वा पर्व और हिंदू नव वर्ष के अवसर पर भारतीय गण वार्ता द्वारा पदग्रहण और शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र शुक्ला ने नए पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन आयोजित इस बैठक में भगवा पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर नव वर्ष और नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं तथा संगठन विस्तार का संकल्प लिया। बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र शुक्ला ने सभी पदाधिकारियों को अपना कार्यभार पूरी लगन और ईमानदारी से निभाने का मार्गदर्शन दिया। जिला अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीय ने पदाधिकारियों को संगठन को मजबूत और विशाल बनाने के साथ सदस्य संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। प्रदेश संगठन मंत्री राजेश रावत ने सभी पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए हर माह बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया। संगठन मंत्री विजय नागले ने पुरुषों के साथ महिलाओं को भी संगठन में आगे लाने की बात कही।

# कैलाश अग्निहोत्री उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित

**भौंरा।** पन्ना में आयोजित पत्रकार कल्याण परिषद के 18वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय अधिवेशन में बैतूल जिले का गौरव बढ़ाते हुए जिला अध्यक्ष कैलाश प्रसाद अग्निहोत्री को उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया। पन्ना के टाउन हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर से आए पत्रकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया, वहीं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों और समाजसेवियों को शाल-श्रीफल

एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेदांती त्रिपाठी उपस्थित रहे। अध्यक्षता सैयद मेहमूद अली चिश्ती ने की, जबकि वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र पांडे, सवर्ण कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अजय तिवारी एवं वैश्य महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज केसरवानी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में वेदांती त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकारिता एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, यह केवल व्यवसाय नहीं बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी है।

# हनुमान जी राम भक्तों की रक्षा करते हैं : पं निर्मल कुमार शुक्ल

**बैतूल।** हनुमान जी महाराज रामायण में प्राणवायु की भूमिका में हैं जैसे पवन देवता सर्वव्यापी हैं उसी प्रकार प्रकार पवन तनय बल पवन समाना। हनुमान जी भी चराचर में व्याप्त होकर राम भक्तों की रक्षा में तत्पर रहते हैं। साधु संत के तुम रखवारे कह कर गोस्वामी तुलसीदास जी ने इनकी सार्वभौमिक उपस्थित स्वीकार किया है। हनुमान जी का प्रताप चारों युगों में स्पष्ट दिखाई पड़ता है। सतयुग में भगवती दुर्गा के आगे उनकी ध्वजा लेकर आप चलते हैं द्वापर में सुग्रीव की ध्वजा लेकर राम सेवा में तल्लीन रहते हैं और द्वापर युग में अर्जुन के रथ की

ध्वजा पर इनका निवास होता है तथा कलियुग में तो हर गांव नगर में हनुमान जी सर्वव्यापक रहते हैं। उक्त उद्गार न्यू बैतूल स्कूल ग्राउंड में राजेश अवस्थी व संगीता अवस्थी द्वारा आयोजित श्री हनुमत कथा में मानस महारथी पं निर्मल कुमार शुक्ल जी ने व्यक्त किया। आपने कहा कि हनुमान जी भगवान श्री राम से मिलने के माध्यम हैं। भगवान राम के द्वार के रक्षक हैं बिना इनकी अनुकम्पा हुए जीव श्री राम के चरणों तक नहीं पहुंच सकता। हनुमान जी भोग और भगवान दोनों को मिला देते हैं। जिस पर इनकी कृपा हो जाती है उसे संसार के सारे सुख और भगवान दोनों मिल जाते हैं। तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हां। राम मिलाय राज पद दीन्हा। प्राय: परमात्मा को पाने के लिए घर परिवार धन ऐश्वर्य सब छोड़कर वन में रहकर साधना करना पड़ता है तब बड़ी कठिनाई से परमात्मा की प्राप्ति होती है किन्तु जिसने हनुमान जी का आश्रय ले लिया उसे घर परिवार में रहते हुए भी भगवान सुलभ हो जाते हैं। अवस्थी परिवार द्वारा लगातार नौ दिनों तक श्री हनुमान जी की कथा का आयोजन किया गया है। इसमें रामायण प्रेमियों को विस्तार से हनुमान जी की गाथा श्रवण करने का सौभाग्य सुलभ हुआ है। कथा में श्रद्धालुओं की विशाल संख्या में उपस्थिति हो रही है। आयोजकों ने नगर एवं क्षेत्रीय श्रद्धालु जनों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित रहकर कथामृत पान करने का आग्रह किया है। यह कथा गंगा 27 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 3 से 6 बजे तक प्रवाहित होगी।

**कार्यक्रम** हजारों लोगों के समागम ने बिखेरी आत्मीय छटा

# राजीव खंडेलवाल की रंगपंचमी के आगे आर.के.स्टुडियो भी फीका

**बैतूल।** 1980 और 1990 के दशक में बॉलीवुड की सबसे प्रतिष्ठित मुंबई के प्रसिद्ध आर.के.स्टुडियों में मनाई जाने वाली होली पूरे देश भर में चर्चा का विषय रहती थी, लेकिन बैतूल के कर सलाहकार एवं वरिष्ठ समाजसेवी राजीव खंडेलवाल (आर.के.) के सिविल लाइन स्थित निवास पर आयोजित शानदार रंगपंचमी कार्यक्रम के आगे आर.के.स्टुडियों की होली भी फीकी नजर आ रही थी। राजीव खंडेलवाल एवं उनके पुत्र कर सलाहकार योगी खंडेलवाल के आग्रह को स्वीकारते हुए हजारों की संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में पहुंचकर अपनेपन होने का अहसास कराया। संभवत:

रंगपंचमी का यह कार्यक्रम जिले का एक मात्र था, जिसमें हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। पारिवारिक माहौल में राजीव-योगी खंडेलवाल के निवास पर स्व. श्री जी.डी.खंडेलवाल मेमोरियल ट्रस्ट के बैनर तले लगातार सात वर्ष से रंगपंचमी पर आयोजित हुए कार्यक्रम में पहुंचे हजारों लोग आत्मीय स्वागत पाकर भाव-विभोर हो उठे थे. सुबह नौ बजे से प्रांरभ हुए रंगपंचमी कार्यक्रम में शामिल होने वालों का शुरू हुआ सिलसिला देर शाम तक चलते रहा। कार्यक्रम में जिले के अलावा प्रदेश के कई जिलो एवं अन्य राज्यों से भी लोग यहॉ पहुंचे थे। यहां सबसे पहले स्वागत द्वार पर खड़े योगी खंडेलवाल टेबल पर थालो में सजे कलरफुल गुलालों को लगाकर स्वागत कर रहे थे।

**आत्मीय प्रेम से मिलती है शक्ति:** राजीव खंडेलवाल बताते कि आयोजन को बेहतर से बेहतर बनाने के लिए अपने पुत्र योगी खंडेलवाल एवं परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर दो माह पहले से योजना बनाकर उसको मूर्त रूप दे रहे थे। पूरी तरह पारिवारिक माहौल में होने पर इस आयोजन में हर वर्ष इसका स्वरूप बढते जा रहा है साथ ही लोगों से मिलते आत्मीय प्रेम से उन्हें शक्ति मिली थी और हर वर्ष वृहद स्तर पर ऐसे आयोजन कराने की प्रेरणा भी मिलती है। यहॉ पहुंची महिलाओं एवं युवतियों को राखी और श्रद्धा गुलाल लगाकर गले लगकर उनका अभिवादन भी करती है. सास-बहू का यहॉ आने वालों के प्रति आत्मीय स्नेह एवं उनके द्वारा बनाई बेहतर व्यवस्था को लोग इसे एक बेहतर मैनेजमेंट मान रहे है। रंगपंचमी पर आयोजित कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों की उपस्थिति ने चार चांद लगा दिया था. कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संघ के केंद्रीय पदाधिकारी रहे वरिष्ठ प्रचारक प्रसन्ना हरदास, संतोष साकल्ले विभाग प्रमुख, क्रीड़ा भारती नागपुर, मोहन नागर उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, चंद्रशेखर देशमुख सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# ब्लाक के गांव-गांव भ्रमण कर रहा आमंत्रण रथ

**भैंसदेही।** नगर के नागझिरी संस्थान में होने वाले चमत्कारिक संत श्रीं श्री 1008त्रिवेणी भारती नागा दादा के 77वे पुण्यतिथि के वार्षिक उत्सव को लेकर संस्थान के अध्यक्ष कृष्णा झाड़े एंव कार्य कर्ता पुरी लग्न और निष्ठा के साथ जुट चुके हैं उक्त आशय की जानकारी देते हुए संस्थान के संरक्षक सदस्य संजू मोहने ने बताया की प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी संस्थान ने नागा दादा की समाधी पर विधिवत ज्योत प्रज्जवलित कर इस पुनित कार्य का शुभारंभ कर दिया है, नगर सहित आस-पास के गांव में नागा दादा के असंख्य भक्त हैं, जिन्हें संस्थान की ओर से इस वार्षिक उत्सव का आमंत्रण दिया जाता है ,और इस कार्य को आयोजन दिवस के चौदह दिन पूर्व से शुरू कर दिया जाता है, अलग

अलग युवाओं का दल भैंसदेही नगर की चारों दिशाओं में इस आमंत्रण रथ के साथ भ्रमण करता है और प्रत्येक गांव के संस्थान से जुड़े साथीयों को साथ लेकर इस पुनीत कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को आमंत्रित करते हैं,साथ ही श्रद्धालु इस कार्यक्रम को लेकर यथाशक्ति सहयोग भी प्रदान करता है जिसमें अनाज और धनराशि शामिल होती है जो स्वेच्छा से भक्त जन वर्षों से प्रदान करते आ रहे हैं, ऐसी मान्यता है की नागा दादा की पुण्यतिथि कार्यक्रम में सहयोग करने पर नागा दादा की असीम कृपा भक्तजनों पर हमेशा बनी रहती है यह परिपाटी विगत 76 वर्षों से चली आ रही है। अभी आमंत्रण रथ के साथ संस्थान से जुड़े अनिल शुक्ला (पटेल) मासोद, प्रकाश घानेकर बरहापुर, रामा पानकर, कल्लू सावरकर अपने युवा साथियों के साथ सक्रिय हैं।